

आनुवंशिक विविधता हेतु बाघ का स्थानांतरण

स्रोत: हनुमान टाइम्स

हाल ही में ओडिशा सरकार द्वारा महाराष्ट्र के [ताडोबा अंधारी टाइगर रज़िर्व](#) से एक बाघ को ओडिशा के [समिलिपाल टाइगर रज़िर्व \(STR\)](#) में स्थानांतरित किया, जिसका नाम **जमुना** है।

- इस स्थानांतरण का उद्देश्य समिलिपाल के बाघों की **आनुवंशिकी में विविधता** को बढ़ाना था, जहाँ बाघों की कम संख्या के कारण इनमें **अंतःप्रजनन (अतसिंबद्ध जीवों का समागम)** को लेकर चिंताएँ हैं।

इस स्थानांतरण से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **पूर्व के स्थानांतरण प्रयास:** वर्ष 2018 में, **सुंदरी** नामक एक बाघ को ओडिशा के [सतकोसिया टाइगर रज़िर्व](#) में स्थानांतरित किया गया था।
 - **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)** द्वारा स्थानांतरण परियोजना को स्वीकृत प्रदान की जाती है।
- **काले बाघों का स्थानांतरण:**
 - **बाघों की संख्या:** वर्ष 2024 में किये गए ओडिशा बाघ आकलन के अनुसार समिलिपाल में कुल **24 वयस्क बाघ** हैं, **जिनमें स्यूडो मेलानिस्टिक बाघों** की विशेष उपस्थिति दर्ज की गई थी।
 - समिलिपाल टाइगर रज़िर्व ही एकमात्र ऐसा **पर्यावास** है जहाँ ये **काले बाघ** पाए जाते हैं।
- **अंतःप्रजनन संबंधी चिंताएँ:** सर्वाधिक **स्यूडो मेलानिस्टिक बाघ (24 वयस्कों में से 13)** समिलिपाल में हैं जिसके कारण इनके बीच **अंतःप्रजनन और आनुवंशिक विविधता को लेकर चिंताएँ हैं, जिसके फलस्वरूप बाह्य आनुवंशिक इनपुट** की आवश्यकता होती है।
- **आगामी पहल:** समिलिपाल में एक **मेलानिस्टिक टाइगर सफारी स्थापित** करने की योजना की जा रही है, जो विश्व में इस प्रकार की पहली सफारी होगी।

नोट:

- एक **आनुवंशिक लक्षण** के कारण **ब्लैक अथवा स्यूडो मेलानिस्टिक बाघ** अस्तित्व में आते हैं, जिससे एक **अद्वितीय लक्षणप्ररूप का निर्माण** होता है और यह उनकी **आनुवंशिक विविधता की कमी** को इंगित करता है।
 - ये बाघ शरीर पर **चौड़ी और मशरति धारियों** से अभलिक्षित होते हैं।

समिलिपाल टाइगर रज़िर्व से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **अवस्थिति:** समिलिपाल बाघ अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान **ओडिशा के मयूरभंज ज़िले में अवस्थित है।**
 - इसे वर्ष **1973** में **प्रोजेक्ट टाइगर** के तहत बाघ अभयारण्य के रूप में अभिहित किया गया था।
 - वर्ष 2009 में **UNESCO** ने **समिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान** को **बायोस्फीयर रज़िर्व** की सूची में शामिल किया।
- **भूगोल:** **जोरंडा और बरेहपिानी** जैसे जलप्रपात तथा **खैरीबुर एवं मेघाशनी चोटियाँ** समिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान में स्थित हैं।
 - **बुरहाबलंगा, पलपला बंदन, सालंदी, खैरी और देव नदियाँ** इससे होकर गुज़रती हैं।
 - इसका नाम '**समिल**' (**रेशमी कपास**) वृक्ष के नाम पर रखा गया है।
- **जैवविविधता:** यहाँ मुख्यतः **उष्णकटिबंधीय आद्र पर्णपाती वन** पाए जाते हैं।
 - **सतनधारी जीव:** यहाँ **बाघ, तेंदुए, सांभर हरिण, बारकगि हरिण, गौर, वन्य बल्लिलियाँ, जंगली सूअर, चार सींग वाले मृग, जायंट गलिहरी** और सामान्य लंगूर पाए जाते हैं।
 - **पक्षी प्रजातियाँ:** यहाँ **ग्रे हॉर्नबलि, भारतीय पाइड हॉर्नबलि और मालाबार पाइड हॉर्नबलि** जैसी विभिन्न प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
 - **सरीसृप:** **मगर प्रजाति के मगरमच्छ** खैरी और देव नदियों में पाए जाते हैं।
- **मूल जनजातियाँ:** यहाँ **कोल्हा, संथाल, भूमजा, बथुडी, गोंड, खड़िया, मांकड़िया और सहारा** जैसी मूल जनजातियाँ निवास करती हैं।
 - ये जनजातियाँ **पवतिर उपवनों** की उपासना करते हैं जिन्हें **झरिया** कहा जाता है।

ताडोबा अंधारी टाइगर रज़िर्व से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- अवस्थिति: यह महाराष्ट्र में स्थित है और राज्य का सबसे पुराना और सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।
 - ताडोबा/तारु संबंधित क्षेत्र के जनजातीय समुदायों के स्थानीय देवता हैं जिनकी ये समुदाय उपासना करते हैं।
 - अंधारी नाम अंधारी नदी से लिया गया है जो इस अभयारण्य से होकर बहती है।
- भूगोल: इसमें दो प्रमुख झीलें, ताडोबा झील और कोल्सा झील तथा ताडोबा नदी स्थित हैं।
- जैवविविधता:
 - वनस्पतजात: सागौन, सेमल, तेंदु, बहेड़ा, करया गोंद, महुआ मधुका, अर्जुन, बाँस आदि।
 - प्राणजात: बाघ, भारतीय तेंदुए, भालू, गौर, नीलगाय, ढोल, स्मॉल इंडियन सविट, सांभर, चित्तीदार हरिण, बारकगि हरिण और चीतल।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- * महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- * सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना



देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972: अनुसूची-I

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Ix2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर: 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना: प्रत्येक 5 वर्ष में

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
 - ◆ वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
 - ◆ मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
 - ◆ नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
 - ◆ नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति बाघ आरक्षति क्षेत्रों में "क्रांतिकि बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतरगत सबसे बडा क्षेत्र कसिके पास है? (2020)

- (a) कॉरबेट
- (b) रणथंभौर
- (c) नागार्जुनसागर-श्रीसैलम
- (d) सुंदरबन

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति संरक्षति क्षेत्रों पर वचिार कीजयि: (2012)

- 1. बांदीपुर
- 2. भीतरकनकिा
- 3. मानस
- 4. सुंदरबन

उपर्युक्त में से कसिे बाघ अभयारण्य घोषति कयिा गया है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)